RNI-NO.MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

संपादक-गोपाल गावंडे

वर्ष - 10 अंक-24 इन्दौर , प्रति मंगलवार, 04 जुलाई से 10 जुलाई 2023 पृष्ठ-8 मूल्य -2

हुडा सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन का नाम बदला नाम, अब गुरुग्राम सिटी सेंटर के नाम से जाना जाएगा

दिल्ली मेट्रो की येलो लाइन पर हुडा सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन का नाम बदलकर गुरुग्राम सिटी सेंटर करने का फैसला लिया गया है। छस्त्रष्ट के अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। जानकारी के अनुसार, सभी आधिकारिक दस्तावेजों, साइनेज, घोषणाओं में नाम बदलने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

दिल्ली मेट्रो की येलो लाइन पर हुडा सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन का नाम बदलकर गुरुग्राम सिटी सेंटर किया जाएगा। यह स्टेशन हरियाणा के गुरुग्राम में स्थित है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि स्टेशन का नाम बदलकर गुरुग्राम सिटी सेंटर करने का फैसला लिया गया है।

मजाक में न लें रामदास अठावले का बयान, महाराष्ट्र के बाद बिहार में हो सकता है 'खेला'? यूं ही नहीं हो रही चर्चा

महाराष्ट्र में रविवार को हुए सियासी घटनाक्रम (2 जुलाई 2023) ने सभी को चौंका दिया। दो दिन पहले तक बीजेपी के विरोध में बयान दे रहे हृष्टक्क के नेताओं ने एकनाथ शिंदे की सरकार में मंत्री पद की शपथ ले ली। अजित पवार सहित अन्य नेताओं के महाराष्ट्र सरकार में मंत्री बनने के बाद केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा कि कुछ ही दिनों में बिहार में भी ऐसी स्थिति पैदा हो सकती है। नीतीश कुमार के फैसले से लोग और उनके विधायक नाराज हैं। रामदास अठावले के इस बयान को बहुत सारे लोगों ने मजाक में टाल दिया लेकिन बिहार में पिछले कुछ समय में हुई घटनाएं कुछ ऐसा ही इशारा करती हैं।

ऐसा नहीं है कि बिहार में इस तरह की चर्चाएं पहले नहीं हुई हैं। पिछले साल एकनाथ शिंदे द्वारा शिवसेना तोड़ने के बाद भी ऐसी बातें हुईं थीं लेकिन कुछ ही महीनों बाद बीजेपी को फिर से 'गच्चा' देते हुए नीतीश कुमार ने राजद को अपने साथ ले लिया था। इस सरकार में कांग्रेस, लेफ्ट और कुछ अन्य दल भी शामिल हुए।

मनीष सिसोदिया को बड़ा झटका, शराब घोटाला मामले में दिल्ली HC ने खारिज की जमानत याचिका

इसी मामले में कोर्ट ने आम आदमी पार्टी के पूर्व मीडिया प्रभारी विजय नायर, हैदराबाद के उद्यमी अभिषेक बोइनपल्ली और बिनाय बाबू की जमानत याचिका भी खारिज कर दी है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली एक्साइज पॉलिसी मामले से जुड़े प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) मामले में दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज कर दी है।

इसके साथ ही कोर्ट इसी मामले में आम आदमी पार्टी के पूर्व मीडिया प्रभारी विजय नायर, हैदराबाद के उद्यमी अभिषेक बोइनपल्ली और बिनाय बाबू की जमानत याचिका भी खारिज कर दी है।

मई में जस्टिस दिनेश कुमार शर्मा की बेंच ने बहस पूरी करने के बाद मनीष सिसोदिया और विजय नायर की नियमित जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया था। इसी बेंच ने इसी मामले के संबंध में हैदराबाद के उद्यमी अभिषेक बोइनपल्ली और बिनॉय बाबू बिनॉय की जमानत पर आदेश सुरक्षित रखा था। ट्रायल कोर्ट ने पहले उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया था।

इससे पहले दिल्ली हाई कोर्ट ने राष्ट्रीय राजधानी में पिछली शराब नीति के कार्यान्वयन में भ्रष्टाचार का आरोप लगाने वाले सीबीआई मामले में मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। जस्टिस दिनेश कुमार शर्मा की पीठ ने सीबीआई मामले में सिसोदिया को जमानत देने से इनकार कर दिया था। कोर्ट ने कहा था कि सिसोदिया एक ताकतवर नेता है। वो गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं।

राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने पहले एक्साइज घोटाले से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। जिसमें कहा गया था कि आर्थिक अपराध का यह मामला आम जनता और समाज पर गंभीर प्रभाव डाल रहा है, क्योंकि जांच के दौरान एकत्र किए गए सबूत बहुत कुछ कहते हैं।

कोर्ट ने यह भी कहा कि कथित तौर पर जांच के दौरान कुछ सबूत भी सामने आए हैं, जिससे पता चलता है कि दक्षिण लॉबी से मिली रिश्वत की राशि का कुछ हिस्सा गोवा में आम आदमी पार्टी के चुनाव अभियान पर खर्च किया गया था और नकद भुगतान किया गया। आरोप है कि उक्त खर्चों को वहन करने के लिए हवाला चैनलों को गोवा भेजा गया था और यहां तक कि हवाला चैनलों के माध्यम से हस्तांतरित नकद राशि के लिए कवर-अप के रूप में कुछ फर्जी चालान भी बनाए जाने का आरोप है।

दिल्ली सरकार को सुप्रीम कोर्ट ने लगाई फटकार, कहा-3 साल में विज्ञापन पर कितना खर्च किया, दो हफ्ते में जवाब दें

दिल्ली सरकार को सुप्रीम कोर्ट ने 2 हफ्ते की भीतर ये बताने का आदेश दिया है कि पार्टी ने पिछले 3 साल में विज्ञापनों पर कितना खर्च किया है। सुप्रीम कोर्ट की यह तल्खी तब सामने आई जब दिल्ली सरकार ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि वह रीजनल रैपिड ट्रांसिट सिस्टम (क्रक्रञ्जस्) प्रोजेक्ट के लिए फंड देने में सक्षम नहीं है। जस्टिस एसके कौल और जस्टिस सुधांशु धुलिया की बेंच ने दिल्ली सरकार से कहा कि 2 हफ्ते में एक एफिडेविट फाइल करिए। कोर्ट ने कहा कि इसमें पिछले 3 फाइनेंशियल ईयर के दौरान विज्ञापन पर किए गए खर्च की डिटेल होनी चाहिए।

क्या है पूरा मामला?

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली-मेरठ क्षेत्रीय रैपिड ट्रांसपोर्ट सिस्टम परियोजना के काम में देरी पर दिल्ली सरकार पर नाराजगी जताई। कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि आपके पास विज्ञापनों के लिए पैसा है लेकिन आपके पास उस परियोजना के लिए पैसा क्यों नहीं है जो लोगों को बेहतर सुविधा देगी।

इसके बाद न्यायालय ने दिल्ली सरकार को पिछले तीन वित्तीय वर्षों में आरआरटीएस के विज्ञापनों पर अपने खर्च का विस्तृत ब्यौरा पेश करने का निर्देश दे दिया।

13 जुलाई को लॉन्च होगा चंद्रयान-3, इसरो चीफ ने जताया सॉफ्ट लैंडिंग का भरोसा

भारत का तीसरा मून मिशन चंद्रयान-3 13 जुलाई को लॉन्च हो सकता है। इसरो के चेयरमैन एस सोमनाथ ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि हम चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग करने में सक्षम होंगे। लॉन्च का दिन 13 जुलाई तय किया गया है, लेकिन यह 19 जुलाई तक जा सकता है। अब तक के प्लान के मुताबिक इसे 13 जुलाई की दोपहर ढाई बजे आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से लॉन-?च किया जाएगा। इसरो के चेयरमैन एस सोमनाथ ने कहा कि अभी रॉकेट एकीकरण का काम चल रहा है, जो अगले दो से तीन में पूरा हो सकता है। उसके बाद परीक्षण कार्यक्रम चलेगा। जब सारे परीक्षण पूरे हो जाएंगे, तब प्रक्षेपण की अंतिम तिथि की घोषणा की जाएगी।

छत्तीसगढ़ मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने दिए संकेत, राजस्थान की तर्ज पर छत्तीसगढ़ में भी मिलेगा 500 रुपये में रसोई गैस सिलिंडर !

रायपुर। छत्तीसगढ़ की जनता को राजस्थान की तर्ज पर 500 रुपये में रसोई गैस सिलिंडर मिल सकता है। दरअसल, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कुछ ऐसा ही संकेत दिया है। सोमवार को पत्रकारों से चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस ने 500 रुपये में सिलिंडर दिया है, लेकिन छत्तीसगढ़ में कुछ तो घोषणा पत्र के लिए भी रखना पड़ेगा। सब काम अभी कर देंगे, तो घोषणा पत्र के लिए क्या बचेगा। आने वाले समय में कांग्रेस के घोषणा पत्र में देखिएगा। उन्होंने कहा कि जब हमारी घोषणा पत्र समिति बनेगी, तब उसमें सभी बातें होंगी और फिर तय होगा कि क्या करना है। सूत्रों की मानें तो छत्तीसगढ़ राज्य सरकार इस दिशा में काम कर रही है और आने वाले 15 अगस्त में कुछ अहम घोषणाएं हो सकती हैं। बता दें कि इसके पहले भी छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान राज्यसभा सदस्य रंजीता रंजन ने भी प्रदेश में 500 रुपये में सिलिंडर देने की बात की थी।

संपादकीय

देश में हिंसा की घटनाएं नहीं रुक पा रही

लोगों के भीतर विवेक और कानून के राज के प्रति जिम्मेदारी इस कदर क्यों खत्म होती जा रही है! इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि एक सभ्य समाज के तकाजे के अलावा अदालतों के सख्त रुख के बावजूद देश में भीड़ हिंसा की घटनाएं नहीं रुक पा रही हैं। बिहार में सारण जिले के बंगरा गांव में लोगों की भीड़ ने एक व्यक्ति को पकड़ कर इस कदर पीटा कि उसकी जान चली गई। का कारण महज यह था कि जान गंवाने वाला व्यक्ति अपने वाहन में जानवरों की हड्डी एक कारखाने में ले जा रहा था और लोगों को शक था कि इसमें मवेशी का मांस है।

संपादक-
गोपाल गावंडे

क्या यह किसी भी लिहाज से कोई ऐसी वजह है कि लोग किसी की पीट-पीट कर उसकी जान ले लें? अव्वल तो वह व्यक्ति लंबे वक्त से कारखाने में जा रहा था, जहां से हड्डियां दवा कंपनियों में भेजी जाती हैं। लेकिन अगर लोगों को कोई शक हुआ भी तो उन्हें किसने यह अधिकार दे दिया कि वे उसे रोकने के लिए एक जघन्य अपराध को अंजाम दें? ऐसी ही एक अन्य घटना त्रिपुरा में भी सामने आई, जिसमें लोगों ने सिर्फ मवेशी चोरी के शक में एक व्यक्ति की पीट-पीट कर हत्या कर दी। सवाल है कि लोगों के भीतर विवेक और कानून के राज के प्रति जिम्मेदारी इस कदर क्यों खत्म होती जा रही है!

भीड़ हिंसा के मसले पर सुप्रीम कोर्ट का रुख बिल्कुल स्पष्ट है कि लोकतंत्र में भीड़तंत्र की इजाजत नहीं दी जा सकती; कोई भी नागरिक कानून अपने हाथ में नहीं ले सकता और यह राज्य सरकारों की जिम्मेदारी है कि वे संविधान के मुताबिक कानून-व्यवस्था बनाए रखें। विचित्र है कि जो लोग विरोध प्रदर्शनों में अपने लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति सजग और सक्रिय देखे जाते हैं, वे भी सिर्फ किसी अफवाह या शक की वजह से भीड़ की हिंसा और किसी की पीट-पीट कर हत्या तक कर डालने में बिना सोचे-समझे शामिल हो जाते हैं।

उन्हें इतना भी ध्यान नहीं रहता कि ऐसा करना न केवल किसी के अधिकारों का हनन तथा असभ्य और बर्बर हरकत है, बल्कि कानून के भी खिलाफ है। ऐसा अक्सर होता है कि भीड़ के हाथों हत्या की ऐसी घटनाओं के बाद जब पुलिस सक्रिय होकर कानूनी कार्रवाई करती है, तब पकड़े गए आरोपियों को समझ में आता है कि उन्होंने क्या गलती की है। हालांकि जिस पुलिस को समय रहते सक्रिय रह कर कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी निभानी चाहिए, वह घटना के बाद सक्रिय होती है। उम्मीद की जाती है कि कोई समाज वक्त के साथ अपनी जीवनशैली और सोच-समझ के मामले में ज्यादा सभ्य और संवेदनशील बनेगा। किसी भी घटना को लेकर अचानक आवेश में नहीं आएगा और उस पर विचार करने के बाद ही अपनी राय बनाएगा। इसके साथ-साथ अनिवार्य रूप से कानून और अदालती आदेशों के पालन को लेकर सजग रहेगा। मगर आज भी ऐसे मामले अक्सर सामने आते हैं, जिनमें लोगों को अपने विवेक का इस्तेमाल करना जरूरी नहीं लगता है।

खासकर जब लोग समूह में होते हैं, तब सोचने के बजाय व्यक्ति भीड़ की आक्रामकता में शामिल हो जाता है। इसका एक कारण कुछ असामाजिक तत्त्वों की ओर से निराधार बातों को लेकर फैलाई गई अफवाह और उसके जरिए बनाई गई धारणा होती है, जिसकी चपेट में आए लोग अपने विवेक को तरजीह देना जरूरी नहीं समझते। जरूरत इस बात है कि ऐसी प्रवृत्तियों और इसकी जमीन बनाने वालों के खिलाफ कानून अपना काम समय रहते करे, ताकि भीड़ हिंसा और हत्या की घटनाओं को समय रहते रोका जा सके।

राजनीति

शरद पवार ने मिस किए ये बड़े 'हिंट' और भतीजे अजित ने कर दिया सियासी खेल!

महाराष्ट्र की सियासत में सबसे बड़ा खेला हो गया है। अजित पवार ने एनसीपी के साथ वो कर दिया है, जिसकी उम्मीद शरद पवार ने शायद ही की होगी।

महाराष्ट्र की सियासत में सबसे बड़ा खेला हो गया है। अजित पवार ने एनसीपी के साथ वो कर दिया है, जिसकी उम्मीद शरद पवार ने शायद ही की होगी। इस समय अजित पवार शिंदे सरकार में डिप्टी सीएम की शपथ ले चुके हैं। उनके साथ एनसीपी के दूसरे कई कद्दावर नेता भी सरकार का हिस्सा बन गए हैं। ये ऐसा नाटकीय मोड़ है जिसका असर सिर्फ आगामी लोकसभा चुनाव में ही नहीं, बल्कि एनसीपी के आने वाले सालों की राजनीति पर भी पड़ने वाला है।

वैसे अगर ये कहा जाए कि अजित पवार ने कोई अचानक से इतना बड़ा कदम उठा लिया हो, तो ऐसा नहीं लगता। राजनीतिक जानकार मानते हैं कि काफी समय से अजित ये खेल करने की तैयारी कर रहे थे। कोई एक दिन में उन्होंने इतने एनसीपी नेताओं को अपने पाले में नहीं लाया है। ऐसे में अजित की तरफ से तो ये एक सोची समझी रणनीति रही, लेकिन सवाल ये कि क्या शरद पवार ने इस बार कोई बड़ी चूक कर दी? क्या शरद पवार अपनी ही पार्टी में चल रही गतिविधियों को नहीं समझ पाए?

अब शरद पवार जैसे दिग्गज नेता की राजनीति पर सवाल उठाना तो गलत रहेगा, लेकिन ये माना जा सकता है कि उन्होंने कुछ ऐसे हिंट जरूर मिस कर दिए जिससे ये समझा जा सकता था कि अजित पर अब विश्वास नहीं किया जा सकता। अजित पवार की बीजेपी को लेकर नजदीकियां, पीएम मोदी की उनकी तरफ से तारीफ होना, एक बार एनसीपी को धोखा देकर डिप्टी सीएम बनना, ये सभी वो संकेत थे जो बता रहे थे कि शरद को अब भतीजे अजित पर ज्यादा भरोसा नहीं करना चाहिए।

शरद के लिए हिंट नंबर 1

शरद पवार को सबसे पहले हिंट तो साल 2019 में उस समय मिल गई थी जब अजित पवार ने 72 घंटे के लिए डिप्टी सीएम बनकर दिखाया था। असल में महाराष्ट्र के उस विधानसभा चुनाव में किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिला था। पहले तो कहा गया कि शिवसेना के साथ मिलकर बीजेपी सरकार बना लेगी, लेकिन सीएम पद को लेकर ऐसा विवाद हुआ कि उद्धव ने एनसीपी और कांग्रेस के साथ जाने का फैसला किया। वहीं दूसरी तरफ उस स्थिति से असहज होकर अजित ने सबसे बड़ा खेल करते हुए बीजेपी से हाथ मिला लिया। उनकी तरफ से डिप्टी सीएम की शपथ ली गई और सीएम बन गए देवेंद्र फडणवीस।

लेकिन ये सरकार 72 घंटे में ही गिर गई क्योंकि अजित पवार ने दावे तो बड़े किए, लेकिन वे एनीसपी से पर्याप्त समर्थन नहीं जुटा पाए। अब शरद पवार के लिए ये सबसे पहली हिंट थी कि अजित अब भरोसे के लायक नहीं। लेकिन हुआ इसके एकदम उलट। शरद पवार ने अजित को वापस स्वीकार भी किया और फिर बाद में उन्हें डिप्टी सीएम का पद भी दिलवा दिया।

शरद के लिए हिंट नंबर 2

इस साल की शुरुआत में ऐसी अटकलों ने काफी जोर पकड़ा कि अजित पवार, बीजेपी में शामिल हो सकते हैं, या फिर उनकी तरफ से एनसीपी में दो फाड़ किया जा सकता है। राजनीतिक गलियारों में ये खबर तेजी से फैल चुकी थी, लेकिन शरद पवार ने कहा कि ये सब मीडिया वाले अफवाह फैला रहे हैं। एक बयान में शरद पवार ने कहा था कि अजित तो काफी मेहनती हैं, उनको लेकर कई गलत धारणाएं बना लसी गई हैं। मेरे भतीजे को लेकर भ्रम का माहौल बनाया जा रहा है। यानी कि अजित तो खेल करने के लिए रेडी थे, लेकिन शरद का चाचा वाला प्यार उसे शायद समझ नहीं पाया।

शरद के लिए हिंट नंबर 3

शरद पवार जैसे बड़े नेता अपने पद से इस्तीफा दें, सभी कार्यकर्ता दुखी हो जाएं, लेकिन अजित उन्हें बस समझाने का काम करें, कह दें कि नए नेतृत्व को मौका मिलना चाहिए। ये रवैया ही बताने के लिए काफी था कि अजित अब शरद पवार को पार्टी अध्यक्ष के रूप में नहीं देख रह थे। वे तो लंबे समय से चाहते थे कि एनसीपी अध्यक्ष उन्हें बनाया जाए। लेकिन अजित के वो बयानों के तीर भी शरद पवार को संकते नहीं दे पाए।

शरद के लिए हिंट नंबर 4

अजित पवार एनसीपी में रहकर कई मौकों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की खुलकर तारीफ कर गए, गृह मंत्री अमित शाह के लिए भी उन्होंने कई मौकों पर ऐसे ही बयान दिए। अब कोई एक पार्टी में रहकर दूसरी पार्टी के सबसे बड़े नेता की तारीफ करे, तो आंख-कान खुले रखना लाजिमी रहता है। पिछले महीने मीडिया से बात करते हुए अजित पवार ने कहा था कि पीएम नरेंद्र मोदी एक करिश्माई नेता हैं। उन्होंने मोदी की तुलना इंदिरा और नेहरू से भी कर दी थी।

यानी कि अगर कांठ की हांडी सिर्फ एक बार चढ़ती तो शरद पवार अपने साथ इतना बड़ा खेल नहीं होने देते। लेकिन क्योंकि यहां पर अजित ने बार-बार बगावत की, लेकिन चाचा माफ करते चले गए, ऐसे में अब इसका नतीजा एनसीपी में दो फाड़ के रूप में देखने को मिल रहा है।

अड़ीबाज ने किया हमला

इंदौर। लसूडिया इलाके न्यू लोहामंडी में मस्तराम पिता रामचरण के साथ गगन नामक बदमाश ने अड़ीबाजी करते हुए नुकीली वस्तु से हमला कर उसे घायल कर दिया।

पुलिस को दर्ज कराई रिपोर्ट में मस्तराम ने बताया कि न्यू लोहा मंडी में मेरे घर के पीछे रहने वाला गगन आया और अडीबाजी कर बोला की तुझे चद्दर के मकान मे रहना है तो मुझे 5 हजार रुपये हर महीने देना होगा नही तो मै तुझे यहा रहने नही दूंगा , मैने बोला की यह मकान मुझे मिला है मै तुम्हे किस बात के पैसे दूँ तो गगन अश्लील गालिया देने लगा ,मैने गाली देने से मना किया तो मुझे हाथ मे लिये लकडी के डंडे से मारा , मैने बचाव किया तो डंडा मेरे बाये हाथ की कलाई मे लगा ,जिससे मै चक्कर खाकर नीचे गिर गया तथा गगन ने लोहे की किसी नुकिली चीज से सिर व बाये हाथ की अंगुठे मे मारा जिससे मुझे खुन निकलने लगा । मैंने बचने के लिए शोर मचाया और आसपास के लोग आए तो वह भाग निकला।

सुपरवाइजरऔर कर्मचारियों से मारपीट

आरोपियों ने जेसीबी पर भी पथराव कर की तोडफ़ोड़

इंदौर। लसूडिया थाना क्षेत्र में ओमेक्स सिटी के सुपरवाइर व कर्मचारियों के साथ कुछ लोगों ने मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। इतना ही नहीं काम के चल रही जेसीबी पर पत्थर बरसाकर तोडफ़ोड़ कर दी। मामले में पुलिस केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है।

फरियादी कमलसिंह चौहान निवासी ग्राम बिसनाखेड़ी कनाडिया की रिपोर्ट पर लसूडिया ने आरोपी सुरेश पंचोली, अशोक पंचोली और इनके अन्य साथी पर केस दर्ज किया गया। फरियादी ने बताया कि वह ओमेक्स सिटी में सुपरवाइजर है। ओमेक्स सिटी वन के प्रथम प्रोजेक्ट की जमीन पर काम चल रहा था।

इसी दौरान यहां पर पहुंचे आरोपियों प्रोजेक्ट कर्मचारियों के साथ गाली गलौज की, जब मैंने गाली देने का विरोध किया तो मुझे भी गालियां दी और कर्मचारी नंदकिशोर, संतोष व मुकेश के साथ ही मेरे साथ भी मारपीट करने लगे। आरोपियों ने जेसीबी पर पथराव भी कर दिया। एक आरोपी पास ही खड़े मेरे गनमैन राजेंद्रसिंह से उनकी गन पकड़ कर आत्महत्या करने का प्रयास करने लगा और धमकाया कि तुम लोग यहां पर काम करोगे तो जान से मार दूंगा या मैं आत्महत्या कर लूंगा। मामले में पुलिस ने कमलसिंह चौहान की रिपोर्ट पर आरोपियों सुरेश पंचोली, अशोक पंचोली व इनके साथियों पर केस दर्ज किया है और मामले में जांच की जा रही है।

घर में चोरी के बाद तोडफ़ोड़

सोने-चांदी के जेवरात और डेढ़ लाख नकदी ले गए चोर

इंदौर। समीपस्थ महू के कोतवाली थाना क्षेत्र में आने वाले पासीपुरा रोड पर एक सूने मकान में चोरों ने धाबा बोल दिया और यहां से नकदी व जेवरात सहित लाखों रुपए का माल चुरा ले गए। बदमाशों ने घर में तोडफ़ोड़ भी कर दीं। पुलिस मामले में केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश में जुटी है।

मकान मालिक चंचल कुमार ने बताया घर के सभी लोग डोंगरगांव अपनी बहन के वहां कार्यक्रम में गए थे। जब रात 11.30 बजे आकर देखा तो घर का मुख्य दरवाजा आधा टूटा पड़ा था। घर के अंदर दीवाल पर लगा एलईडी, एक्वागार्ड टूटा हुआ पड़ा था।

चोरों ने पूरा घर अस्त व्यस्त कर अलमारी का लॉकर तोडक़र उसमें रखे सवा लाख नकदी, गोल्ड, चांदी सहित एक नया एलईडी साथ ले गए। हमने तुरंत मामले की जानकारी महू कोतवाली थाने पर दी। जानकारी लगते ही कोतवाली थाने के जवान मौके पर पहुंचे और मामले की जांच भी की। थाना प्रभारी महेंद्र सिंह भदौरिया ने बताया आस-पास के सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं, जल्द ही चोरों को पकड़ लिया जाएगा।

प्रिंसिपल विमुक्ता शर्मा हत्याकांड- आरोपी फिर पहुंचा जेल

इंदौर। प्रिंसिपल विमुक्ता शर्मा हत्याकांड के आरोपी आशुतोष श्रीवास्तव को फिर से जेल भेज दिया गया है। दरअसल उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं होने की बात सामने आने के बाद उसकी अस्पताल में जांच चल रही थी।

सिमरोल के निजी कॉलेज की प्रिंसिपल विमुक्ता शर्मा की गत 20 फरवरी को छात्र आशुतोष श्रीवास्तव ने जिंदा जलाकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने वहां से उसे गिरफ्तार किया और कोर्ट में पेश किया, वहां से उसे जेल पर भेज दिया गया। आरोपी की ओर से बचाव में यह तर्क दिया गया था कि उसकी मानसिक हालत ठीक नहीं है। इसी के चलते उससे रहमी से पेश आया जाए। इस पर कोर्ट ने उसकी मानसिक हालत की जांच के लिए आदेश दिया था। आरोपी को एमवायएच ले जाया गया, वहां पर डॉक्टर का कहना था कि एक दिन में वह कह नहीं सकते की आरोपी की मानसिक स्थिति ठीक है कि नहीं है। इसी के चलते उसे 15 दिन के लिए एमवायएच में भेजा गया था। वहां पर वह पिछले 15 दिन से रह रहा था। जांच खत्म होने के बाद उसे वापस जेल भेज दिया गया है। अब उसकी रिपोर्ट कोर्ट में पेश की जाएगी। इसके बाद यह तय होगा कि वह ठीक है कि नहीं है।

महिला का पर्स लूटा

इंदौर। बाइक सवार बदमाशों ने एक महिला का पर्स लूट लिया, जिसमें मोबाइल व नकदी सहित अन्य सामान रखा था। पुलिस के अनुसार कल्पना पति विशाल उपाध्याय (50) निवासी ट्रेजर विहार कालोनी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह रविवार की दोपहर में अमितेष नगर शक्कर पैलेस से कहीं पर जा रही थी, तभी बाइक पर बदमाश दाहिने कंधे पर से स्लेटी रंग का पर्स छीन कर भाग गया । पर्स के अंदर एक एम आई कंपनी का मोबाइल ब्लैक रंग, फ्लैट की चाबी, काले धागे में एक मोती चांदी के पैनल में, एसबीआई का एटीएम, पैन कार्ड, आधार कार्ड व नगदी 700 रुपए रखे थे। मामले में पुलिस केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है।

11 साल की बच्ची से हरकत

उज्जैन से इलाज कराने आई महिला ने दर्ज कराया प्रकरण

इंदौर। उज्जैन से इलाज करवाने एमवाय अस्पताल में आई महिला की 11 साल की बेटी से अश्लील हरकत के मामले में पुलिस ने केस दर्ज किया है। बताया जाता है कि घटना के बाद परिजनों ने हरकत करने वाले को पकड़ लिया और एमवाय चौकी पहुंचे तो पुलिस ने कहा कि यहां तो अक्सर ऐसा होता रहता है। इसके बाद बड़े अफसरों तक शिकायत पहुंची तो आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसे हिरासत में लिया गया।

पुलिस के मुताबिक 11 साल की बच्ची की मां की शिकायत पर राजेश मोरे निवासी खंडवा के खिलाफ छेड़छाड़ और पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। बच्ची की मां उज्जैन की रहने वाली है। वह यहां इलाज के लिए अपनी तीन बेटियों ओर पति के साथ आई हुई है। एमवाय अस्पताल में शनिवार शाम एक संस्था द्वारा निशुल्क भोजन वितरित हो रहा था। उसी दौरान पीड़िता भी भोजन लेने पहुंची थी। इसी दौरान आरोपी ने उसे रोक लिया और उसके साथ अश्लील हरकतें शुरू कर दीं। बच्ची जैसे-तैसे उसके चंगुल से निकलकर रोते हुए मां के पास पहुंची। मां पुलिस चौकी गई तो वहां से उसे निराशा मिली,कुछ लोगों ने इसकी शिकायत बड़े अफसरों से कर दी उसके बाद केस दर्ज हुआ।

नशे का आदि होने के कारण परिजनों ने घर से निकाल दिया था

इंदौर। लसूडिया इलाके में युवक ने जहर खाकर अपनी जान दे दी। वह नशे का आदि था, जिसके चलते परिजनों ने उसे घर से निकाल दिया था और वह अपने दोस्त के साथ रह रहा था।

मृतक का नाम यश पिता उदय सिंह मालवीय निवासी स्कीम नंबर 71 है। वह नशे का आदि था,उसे कई दिनों तक रिहेब सेंटर में रखा था लेकिन उसके बाद भी वह नशे से दूर नहीं हो पाया था। उसकी इसी आदत के कारण उसे परिजनों ने घर से निकाल दिया था। उसके परिजन मूसाखेड़ी में रहते हैं, जबकि यश अपने दोस्त के साथ लसूडिया इलाके में रहता था। शनिवार की रात वह घर पहुंचा तो उसे उल्टियां होने लगी। दोस्त ने पूछा तो उसने कहा कि मैंने जहर खा लिया है। दोस्त ने डाक्टर के पास चलने का कहा तो कहा कि नहीं जहर नहीं खाया है,ज्यादा ड्रग्स के कारण हालत बिगड़ी है। मैं सो जाता हूं तबियत ठीक हो जाएगी। ये सुनकर दोस्त काम से घर के बाहर चला गया। तब उसने पिता को कहा कि मैने जहर खा लिया है। ये सुनकर यश के पिता ने उसके दोस्त विशाल को जहर खाने की बात बताई। उसे एमवाय ले जाया गया जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

युवक ने जहर खाकर दी जान

पुलिस का कहना है कि युवक के शव का पोस्टमार्टम करवाया गया है। परिजनों के साथ ही दोस्त से भी पूछताछ की जा रही है। यश ने नशे के बाद आए डिप्रेशन में या फिर प्रेम प्रसंग में आत्महत्या की है,इसका खुलासा जांच के बाद ही सामने आएगा। फिलहाल कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

सद्गुरु वही जो साहिब से मिलाए

सद्गुरु वही जो साहिब से मिलाए के साधक, परमात्मा को प्राप्त करने और जीवन के संघर्षों से पार पाने के लिये सदैव सच्चे गुरू की खोज में रहते हैं, लेकिन कई बार इस प्रयास में वे झूठे गुरूओं के चंगुल में फंस जाते हैं।

एक सच्चे गुरू की सबसे बड़ी पहचान ये है कि वह आपको परमात्मा से मिलाता है अर्थात वह आपकी कुंडलिनी को जागृत करके आपका सबंध परमात्मा की सर्वव्याप्त शक्ति से स्थापित करवाता है। एक बार जब गुरू नानकदेव जी से पूछा गया कि सच्चा गुरू कौन है तो उन्होंने कहा साहब मिलिहें सो ही सदुरू अर्थात जो आपको परमेश्वर से मिलाये वही सच्चा सदुरू है अन्यथा सब बेकार हैं। उन्होंने इन गुरूओं को अगुरू और कुगुरू की श्रेणियों में भी बाँटा है। उन्होंने बताया कि सदुरू ही सच्चे गुरू होते हैं, जो आपको परमपिता परमेश्वर या दैवीय शक्ति से मिलाते हैं।

एक सद्गुरु के गुण

- **आप अपने गुरू को खरीद नहीं सकते।**

एक सच्चे गुरू को एक माता की भाँति अपने शिष्यों के कल्याण और धार्मिक शिक्षा का पूरा दायित्व लेना चाहिये। गुरू ही अपने शिष्य को ब्रहमचैतन्य से जोड़ता है। आप उसको खरीद नहीं सकते। यदि आप किसी गुरू को खरीदते हैं तो वह आपका दास हो सकता है, लेकिन गुरू कभी नहीं हो सकता।

- एक गुरू को उच्च कोटि की साक्षात्कारी

आत्मा और अत्यधिक विकसित या उत्क्रांतित होना चाहिये। मानवीय चेतना और परमेश्वरी चेतना के बीच बहुत बड़ा अंतराल या गैप होता है, जिसको पूर्ण गुरू के अतिरिक्त अन्य कोई भी नहीं भर सकता है। आज पूर्णिमा का दिन है और पूर्णिमा का अर्थ है पूर्ण चंद्रमा। गुरू को संपूर्ण व्यक्तित्व होना चाहिये, जो अपने शिष्यों को परमेश्वरी ज्ञान और विधानों के विषय में बता सके और उनकी समझ को उस स्तर तक ऊँचा उठा सके, जिससे वे उन विधानों को समझ सकें।

- गुरू को तपस्वी होने की आवश्यकता नहीं है।

यदि आप पूर्व के सभी गुरूओं के जीवन को देखें तो आप पायेंगे कि वे सभी विवाहित थे, उनके बच्चे थे और वे सामान्य लोगों की तरह से जीवन जीते थे। गुरू को न तो तपस्वी होने की और न ही जंगलों में जाकर रहने की आवश्यकता है। वह एक सामान्य गृहस्थ जीवन व्यतीत कर सकता है और वह एक राजा भी हो सकता है। उनके लिये जीवन की इन बाह्य और व्यर्थ धारणाओं का कोई अर्थ नहीं है।

नीचे सत्य के साधकों के लिये महत्वपूर्ण बिंदु दिये जा रहे हैं, जिनसे से वे निर्णय ले सकते हैं कि कौन सच्चा गुरू है और कौन झूठा।

1. गुरू के साथ आपके अनुभव कैसे रहे? आपको बताये गये कोई भी क्षणिक अनुभव दैवीय नहीं हो सकते। आपको प्रभावित करने के उद्देश्य से आपको दिखाये जाने वाले विज्ञन या दृश्य, ध्वनियाँ, भविष्यवाणियाँ, प्रभामंडल, हवा में तैरना, मृतकों के साथ बातचीत और इसी प्रकार की अन्य गतिविधियाँ या करतब अत्यंत भ्रामक होते हैं और ये निसंदेह बहुत खतरनाक हो सकते हैं।
2. यदि वह गुरू आध्यात्मिक मार्ग पर चलने हेतु आपको अपने परिवार और संपत्ति को त्यागने का निर्देश देता है, तो निश्चित रूप से आपके लिये यह खतरनाक हो सकता है। अतः ऐसे गुरू से सावधान हो जाइये।
3. यदि आपके गुरू आपको किसी खास तरह की वेशभूषा अपनाने या किसी विशेष आसन या मुद्रा आदि में बैठने, मंत्रजाप या किसी विशेष तरह की अँगूठी या कोई आभूषणादि पहनने को कहते हैं? आपको जान लेना चाहिये कि परमात्मा इन सब व्यर्थ की चीजों से परे हैं और उनके लिये, आपकी उनको प्राप्त करने की शुद्ध इच्छा शक्ति ही अधिक महत्व रखती है।
4. यदि वह एक धर्म को दूसरे से श्रेष्ठ बताते हैं तो इसका अर्थ है कि वे धर्म के नाम पर केवल पाखंड फैला रहे हैं।
5. यदि आपके गुरू आपको व्यभिचार, यौन स्वतंत्रता या ब्रह्मचर्य की ओर उन्मुख कर रहे हैं, तो फिर निश्चित रूप से आप गलत स्थान पर आ गये हैं।

साधना के मार्ग पर चलने के लिये आपको अनेकों शुभकामनायें सहज योग परिवार की ओर से गुरु पूर्णिमा की ढेरों शुभकामनाएं। नज़दीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं या वेबसाइट sahajayoga.org.in पर देख सकते हैं।

श्रावण मास का धार्मिक महत्व और पूजन विधि

श्रावण मास पूजन विधि

श्रद्धालु इस पूरे मास शिवजी के निमित्त व्रत और प्रतिदिन उनकी विशेष पूजा आराधना करते हैं। शिवजी की पूजा में गंगाजल के उपयोग को विशिष्ट माना जाता है। शिवजी की पूजा आराधना करते समय उनके पूरे परिवार अर्थात् शिवलिंग, माता पार्वती, कार्तिकेयजी, गणेशजी और उनके वाहन नन्दी की संयुक्त रूप से पूजा की जानी चाहिए। शिवजी के स्नान के लिए गंगाजल का उपयोग किया जाता है। इसके अलावा कुछ लोग भांग घोंटकर भी चढ़ाते हैं। शिवजी की पूजा में लगने वाली सामग्री में जल, दूध, दही, चीनी, घी, शहद, पंचामृत, कलावा, वस्त्र, जनेऊ, चन्दन, रोली, चावल, फूल, बिल्वपत्र, दूर्वा, फल, विजिया, आक, धतूरा, कमल-गट्टा, पान, सुपारी, लौंग, इलायची, पंचमेवा, धूप, दीप का इस्तेमाल किया जाता है।

श्रावण मास के सोमवार को व्रत करते समय ध्यान दें

श्रावण मास के प्रथम सोमवार से इस व्रत को शुरू किया जाता है। प्रत्येक सोमवार को गणेशजी, शिवजी, पार्वतीजी की पूजा की जाती है। इस सोमवार व्रत से पुत्रहीन पुत्रवान और निर्धन धर्मवान होते हैं। स्त्री अगर यह व्रत करती है, तो उसके पति की शिवजी रक्षा करते हैं। सोमवार का व्रत साधारणत: दिन के तीसरे पहर तक होता है। इस व्रत में फलाहार या पारण का कोई खास नियम नहीं है, किंतु आवश्यक है कि दिन-रात में केवल एक ही समय भोजन करें। सोमवार के व्रत में शिव-पार्वती का पूजन करना चाहिए।

मलमास में भोले के भक्ति से मालामाल होंगे कांवड़िये, जानें सावन में मलमास का क्यों है खास महत्व

सावन मास के पहले दिन से कांवड़ यात्रा की शुरुआत हो जाती है, इस बार 4 जुलाई दिन मंगवार से यह यात्रा शुरू होने जा रही है। सावन मास के पहले दिन मंगलागौरी का व्रत भी किया जाएगा। वहीं सावन मास में अधिक मास भी होने की वजह से इसका महत्व और भी बढ़ गया है। आइए जानते हैं सावन मास का महत्व और क्या है मलमास...

4 जुलाई दिन मंगलवार से कांवड यात्रा की शुरुआत हो रही है और इसी दिन से सावन मास का प्रारंभ भी हो रहा है। साख ही 4 जुलाई को सावन मास के पहले दिन ही मंगला गौरी का व्रत किया जाएगा। अधिकमास के चलते इस बार भगवान शिव का प्रिय मास सावन दो महीने का है, जिसकी वजह से सोमवार की संख्या भी बढ़कर 8 हो गई है और पहला सोमवार 10 जुलाई को होगा। वहीं अधिकमास के चलते कांवडियों को भी यात्रा करने के लिए अधिक समय भी मिलेगा। अधिकमास के स्वामी भगवान विष्णु हैं और सावन मास के स्वामी भगवान शिव इसलिए श्रद्धालुओं को सावन में भगवान विष्णु व भगवान शिव दोनों की ही कृपा प्राप्त होगी। आइए जानते हैं सावन मास का महत्व और क्या है मलमास...

4 जुलाई से शुरू हो जाएगी कांवड़ यात्रा

सावन दो महीने का होने से बहुत से श्रद्धालु इस असमंजस में है कि कांवड़ यात्रा कब तक चलेगी। इस बारे में धर्म गुरु कहते हैं कि कांवड़ यात्रा तो सावन शिवरात्रि तक ही चलेगी। कांवड़ यात्रा सावन मास के प्रारंभ होने पर ही शुरू होती है और सावन शिवरात्रि पर विश्राम लेती है। इस बार सावन मास 4 जुलाई से शुरू हो रहा है और उसी दिन से कांवड़ यात्रा भी शुरू हो जाएगी। सावन शिवरात्रि का जल 16 जुलाई तक चढ़ेगा और उसी दिन तक कांवड़ यात्रा चलेगी। इसके बाद सावन मास में व्यक्तिगत रूप से कांवड़ लाना चाहे तो ला सकता है, मगर कांवड़ यात्रा 16 जुलाई तक ही चलेगी।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सावन का महीना देवों के देव महादेव को समर्पित है। ऐसा माना जाता है कि इस पूरे महीने में जो भी उपासक भगवान महादेव का पूजन, अर्चन, अभिवंदन और स्तवन पूरे मनोयोग और विधिविधान के साथ करता है, आशुतोष उस पर प्रसन्न होते हैं और उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी कर देते हैं। यह अक्सर कहा जाता है कि भगवान शिव अपने उपासकों से बहुत जल्दी प्रसन्न हो जाते हैं। इस पूरे महीने की पवित्रता इसी से सिद्ध हो जाती है कि इस पूरे महीने में मांसाहार वर्जित कहा जाता है। इस तरह के निषेध के पीछे बहुत से कारण हैं। इसी सावन के महीने में भगवान महादेव के भक्त कांवडियों के रूप में हरिद्वार से गंगाजल भरकर कांवड़ में धरकर सैंकड़ों किमी का सफर तय करते हुए शिवलायों में गंगाजल चढ़ाते हैं। सावन के महीने में हर तरफ हर हर महादेव का जयकारा गुंजायमान होता रहता है।

18 जुलाई से शुरू मलमास

मलमास या अधिकमास की शुरुआत 18 जुलाई 2023 से शुरू होकर 16 अगस्त 2023 तक चलेगा। वहीं सावन मास 4 जुलाई से आरंभ होकर 31 अगस्त तक यानी लगभग दो महीने तक चलेगा। यह संयोग लगभग 19 वर्षों बाद घटित हो रहा है, जिसे ज्योतिविंदो के अनुसार, भगवान के पूजन की दृष्टिकोण से यह बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है।

क्या है मलमास?

प्राचीन भारतीय चिंतन परंपरा के अनुसार, हिंदू धर्म में जितने भी व्रत या त्योहार आते हैं, उनकी गणना पंचांग के अनुसार होती है। तिथि, वार, नक्षत्र, योग और करणों से युक्त पंतांग ही हिंदुओं के सभी पर्वों का निर्धारण करता है। इसी पंचांग की गणना के मुताबिक ही प्रायः हर तीन वर्ष बाद तेरहवें देसी महीने का आगमन होता है, जिस ज्योतिषाचार्य की भाषा में मलमास या पुरुषोत्तम माल कहा जाता है। जनसामान्य इसे अधिक मास के नाम से भी जानते हैं। भारतीय हिंदू कैलेंडर सौम मास और चंद्र मास की गणना के हिसाब से चलता है। सूर्य का एक वर्ष 365 दिन का होता है और चंद्रमा का एक वर्ष 354 दिनों का माना जाता है। इस तरह सूर्य व चंद्र वर्षों के बीच लगभगव 11 दिनों का अंतर आता है, जो हर तीन साल में तैंतीस दिन या लगभग एक महीने के हो जाता है। इसी अंतर के समायोजन के लिए हर तीन साल में एक अतिरिक्त चंद्र मास हमारे सामने अधिक मास के रूप आ जाता है।

इसे क्यों कहते हैं पुरुषोत्तम मास

पुरुषोत्तम मास कहे जाने का एक विशेष कारण है। कहा जाता है कि प्राचीन काल में भगवान विष्णु से मलमान ने कहा कि हे भगवान, मेरा स्वामी कौन सा देवता होगा क्योंकि सभी देवताओं ने मलमास का स्वामी होने से इनकार दिया था। ऐसे स्थिति को देखकर भगवान विष्णु ने स्वयं मलमास को कहा कि मैं तुम्हारा स्वामी होउंगा। बस तभी से इस महीने में भगवान विष्णु का ही विशेष पूजन और अर्चन किया जाने लगा।

कांवड़ यात्रा भी दो महीने तक

इस बार अधिकमास या मलमास की वजह से सावन का महीना दो महीने तक चलेगा, जिसके कारण शिवभक्तों को यानी कांवड़ियों को अपनी कांवड़ लाने के लिए और भगवान शिव की पूजा करने के लिए ज्यादा समय मिल सकेगा। शिव पूजन के लिए कुछ विशेष तिथियों का उल्लेख कर रहे हैं, जिसमे भगवान महादेव की विशेष पूजा की जा सकती है।

ये पांच तिथियां निम्न हैं-

15 जुलाई, 2023, शनिवार, शिवरात्रि, प्रदोष व्रत

30 जुलाई, 2023 रविवार, प्रदोष व्रत

13 अगस्त, 2023 रविवार, प्रदोष व्रत

14 अगस्त, 2023 सोमवार, शिवरात्रि

28 अगस्त, 2023, सोमवार, प्रदोष व्रत

Perfect Investment Opportunity

SATGURU NAGAR
INDORE- KHANDWA ROAD

PRICE STARTS AT
1111/- SQFT

CALL NOW
8889066688

At Indore- Khandwa Road Near
Choral Main road

बांग्लादेश दौरे के लिए टीम इंडिया का ऐलान, स्टार तेज गेंदबाज और विकेटकीपर को किया गया बाहर

भारतीय महिला क्रिकेट टीम को इसी महीने बांग्लादेश का सामना करना है। इस टूर के लिए सेलेक्टर्स ने भारतीय स्क्वॉड का ऐलान कर दिया है। लेकिन सेलेक्टर्स ने इस टूर के लिए कई स्टार खिलाड़ियों को स्क्वॉड से बाहर रखा। जिसमें एक नाम स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष का भी है।

बांग्लादेश टूर के लिए टीम का ऐलान

भारत ने 9 जुलाई से मीरपुर में शुरू होने वाले बांग्लादेश के सीमित ओवरों के दौरे के लिए 18 सदस्यीय भारतीय महिला क्रिकेट टीम की घोषणा की, जिसमें दाएं हाथ की तेज गेंदबाज रेणुका सिंह और विकेटकीपर ऋचा घोष को बाहर रखा गया। इन दोनों के अलावा युवा ऑफ स्पिनर श्रेयंका पाटिल को नजरअंदाज किया गया। भारतीय टीम को बांग्लादेश के खिलाफ तीन टी-20 अंतरराष्ट्रीय और इतने ही वनडे मैच खेलने हैं।

शेर-ए-बांग्ला स्टेडियम में खेले जाएंगे मैच

सभी 6 मैच मीरपुर के शेर-ए-बांग्ला नेशनल क्रिकेट स्टेडियम (एसबीएनसीएस) में खेले जाएंगे। हरमनप्रीत कौर टीम का नेतृत्व करेंगी, जबकि स्मृति मंधाना उपकप्तान हैं। विकेटकीपर बल्लेबाज घोष को बाहर किया जाना आश्चर्यजनक है। इसके लिए कोई कारण भी नहीं बताया गया है।

भारतीय टी20 टीम इस प्रकार है-

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, दीप्ति शर्मा, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), हरलीन देयोल, देविका वैद्य, उमा छेत्री (विकेटकीपर), अमनजोत कौर, एस मेघना, पूजा वस्त्राकर, मेघना सिंह, अंजलि सरवानी, मोनिका पटेल, राशि कनौजिया, अनुषा बारेड्डी, मिन्नू मणि।

भारतीय वनडे टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, दीप्ति शर्मा, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), हरलीन देयोल, देविका वैद्य, उमा छेत्री (विकेटकीपर), अमनजोत कौर, प्रिया पुनिया, पूजा वस्त्राकर, मेघना सिंह , अंजलि सरवानी, मोनिका पटेल, राशि कनौजिया, अनुषा बारेड्डी, स्नेह राणा।

भारत की गेंदबाजी में नहीं कोई दम, World Cup 2023 में खतरा नहीं होगा, पाक क्रिकेटर ने उगला जहर

नई दिल्ली। भारत और चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के बीच 15 अक्टूबर को विश्व कप 2023 का बहुप्रतीक्षित मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। पाकिस?तान के पूर्व ऑफ स्पिनर सईद अजमल का मानना है कि उनकी टीम इस मैच में जीत की मजबूत दावेदार है।

सईद अजमल का मानना है कि भारतीय टीम के पास ऐसा गेंदबाजी आक्रमण नहीं है जो पाकिस्तानी बल्लेबाजों को टक्कर दे सके। नादिर अली पोडकास्ट में अजमल ने भारतीय गेंदबाजी आक्रमण की जमकर आलोचना की और कहा कि उनके पास पाकिस्तान जैसा घातक गेंदबाजी आक्रमण नहीं है।

सईद अजमल ने कहा, भारतीय गेंदबाजी आक्रमण हमेशा से कमजोर रहा है। बाद में सिराज ने अच्छी गेंदबाजी की। शमी अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं। स्पिनर्स में मेरे ख्याल से जडेजा महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। जसप्रीत बुमराह पाकिस्तान के लिए खतरा बन सकते थे, लेकिन वो कुछ समय से फिट नहीं हैं। मुझे नहीं लगता कि भारतीय गेंदबाजी आक्रमण पाकिस्तान के लिए खतरा बन सकती है।

पाकिस्तान जीत की दावेदार

भारत और पाकिस्तान के बीच वर्ल्ड कप 2023 मैच के बारे में बात करते हुए अजमल ने कहा कि बाबर आजम की टीम जीत की 60 प्रतिशत दावेदार है। उन्होंने कहा, भारत की बल्लेबाजी हमेशा मजबूत रही है। हमारी गेंदबाजी घातक है। यह मुकाबला बराबरी का होगा। अभी मैं कह सकता हूं कि पाकिस्तान के जीतने की 60 प्रतिशत उम्मीद है। हां, भारतीय परिस्थितियों को ध्यान रखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा कि अगर पाकिस्तान ने विरोधी टीम को कम स्कोर पर रोका तो वो जीत जाएगी।

सत्यप्रेम की कथा की वीकेंड पर बंपर कमाई, गदर 2 में नाना पाटेकर की एंट्री

प्रभास कृति सेनन और सैफ अली खान की आदिपुरुष को सिनेमाघरों में रिलीज हुए 17 दिन पूरे हो चुके हैं। रिलीज के बाद दर्शकों ने फिल्म के डायलॉग और वीएफएक्स को जमकर ट्रोल किया। वहीं सत्यप्रेम की कथा के आने के बाद तो आदिपुरुष की हालत खस्ता हो गई है। कुछ दिनों फिल्म की थिएटर्स से छुट्टी भी हो सकती है।

नई दिल्ली कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी की हालिया रिलीज सत्यप्रेम की कथा बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई कर रही है। पहले वीकेंड पर फिल्म ने छप्परफाड़ कमाई की है। वहीं, गदर 2 को लेकर भी अपडेट सामने आई है। फिल्म में एक दिग्गज एक्टर की एंट्री हो रही है। यहां पढ़ें मनोरंजन से जुड़ी आज की बड़ी खबरें...

सत्यप्रेम की कथा ने संडे को किया बंपर कलेक्शन

कार्तिक आर्यन और कियारा की जोड़ी ने पिछले साल रिलीज हुई ब्लॉकबस्टर भूल भुलैया 2 के बाद सत्यप्रेम की कथा से वापसी की है। दर्शकों को सत्तू और कथा की केमिस्ट्री काफी पसंद आ रही है और उन्होंने संडे को फिल्म की बंपर कमाई करा दी। चौथे दिन का कलेक्शन पिछले तीन दिन पर भारी पड़ गया और इसके साथ फिल्म 40 करोड़ की कमाई के करीब पहुंच गई है

संडे को तोड़ा रिकॉर्ड

कार्तिक-कियारा की इस रॉम कॉम को स्क्रीन पर अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। फिल्म ने पहले दिन 9.25 करोड़ से खाता खोलकर बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद जगा दी थी। इसके बाद तो शुक्रवार को कमाई में गिरावट दर्ज की गई और इसके खाते में आए सिर्फ 7 करोड़। शनिवार को फिल्म ने डबल डिजिट में कमाई की और आंकड़ा पहुंच गया 10.10 करोड़ के पास। संडे को इसने बड़ा जंप लेते हुए 12 से 12.80 के बीच की कमाई की है।

छू नहीं पाई 40 करोड़ का आंकड़ा

कुल कलेक्शन की बात करें तो फिल्म चार दिनों में 38.35 से 39.15 करोड़ के बीच पहुंच गई है और इस तरह से सत्यप्रेम की कथा चार दिनों में 40 करोड़ का आंकड़ा नहीं छू पाई है। फिलहाल तो इसकी मुश्किलें सोमवार से बढ़ने वाली हैं क्योंकि पिछले वर्किंग डे पर भी इसने अच्छा परफॉर्म नहीं किया था। आने वाले दिनों में कोई बड़ी रिलीज नहीं है, बस करण जौहर की रॉकी और रानी की प्रेम कहानी का बेसब्री से इंतजार हो रहा है। पर तक सत्यप्रेम की कथा के लिए मैदान खाली है।

जन-कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में रोजगार सहायक-आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका - मुख्यमंत्री श्री चौहान

मुख्यमंत्री को अभिनंदन-पत्र भेंट कर आभार व्यक्त किया गया

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि राज्य सरकार की जन-कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में रोजगार सहायक, आँगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। राज्य सरकार ने उनकी उल्लेखनीय सेवाओं को देखते हुए हाल ही में उनके हितों में अनेक महत्वपूर्ण फैसले लिये हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज नरसिंहपुर जिले के तेंदूखेड़ा में आँगनवाड़ी और रोजगार सहायकों के संगठन के प्रतिनिधियों से चर्चा कर रहे थे। चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. विश्वास कैलाश सारंग, पूर्व मंत्री श्री रामपाल सिंह और श्रीमती साधना सिंह भी मौजूद थी।

मुख्यमंत्री को भेंट किया गया अभिनंदन-पत्र

तेंदूखेड़ा के मंडी प्रांगण में रोजगार सहायक, आँगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं के संगठन ने हाल ही में मुख्यमंत्री द्वारा उनके हितों में की गई घोषणाओं के संदर्भ में उन्हें अभिनंदन-पत्र और स्मृति-चिन्ह भेंट किया।

मुख्यमंत्री का लाड़ली बहनों ने किया स्वागत

मुख्यमंत्री श्री चौहान का तेंदूखेड़ा के ग्राम हीरापुर, उमरपानी, भूरासुन्हेटी, टेकापार, ग्वारी तिराहा, मनकापुर तिराहा, भामा और अन्य स्थानों पर लाड़ली बहनाओं ने जोरदार स्वागत किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ग्राम भामा में ग्रामीणों की माँग पर शासकीय हाई स्कूल को हायर सेकण्डरी स्कूल में परिवर्तित करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिये संकल्पित है। इसी के अनुरूप मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना लागू की गई है। इस योजना में पात्र बहनों के खाते में हर माह की 10 तारीख को नियमित रूप से 1000 रूपये की राशि अंतरित होती रहेगी। उन्होंने बताया कि योजना का लाभ अब 21 वर्ष की विवाहित महिलाओं को भी मिलेगा। इसके लिये जल्द ही पोर्टल शुरू किया जाएगा।

जन-सेवा मित्रों से संवाद

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने जन-सेवा मित्रों से संवाद किया। उन्होंने शिवानी विश्वकर्मा से लोगों की राय जानी। शिवानी ने बताया कि मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण में मील का पत्थर साबित हो रही है। जन-सेवा मित्र राज्य शासन की योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिये मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने घोषणाओं का किया उल्लेख

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने जन-समुदाय को बताया कि आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का मानदेय प्रतिमाह 10 हजार से बढ़ा कर 13 हजार रूपये किया गया है। मानदेय में इन्सेन्टिव के रूप में 1000 रूपये की वृद्धि प्रति वर्ष की जायेगी। मिनी आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को 6500 रूपये प्रतिमाह मानदेय दिया जायेगा। सहायिका से आँगनवाड़ी कार्यकर्ता पर पदोन्नति के लिये 50 प्रतिशत पद आरक्षित होंगे। उन्होंने कहा कि आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को सेवानिवृत्त होने पर एक मुश्त एक लाख 25 हजार रूपये और सहायिकाओं को एक लाख रूपये उपलब्ध कराये जायेंगे। आँगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका का शासकीय कर्मचारियों की तरह 5 लाख रूपये का स्वास्थ्य और दुर्घटना बीमा कराया जाएगा।

रोजगार सहायक के हितों में की गई घोषणा का उल्लेख

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अपने संबोधन में पिछले दिनों रोजगार सहायकों के हितों में की गई घोषणाओं का उल्लेख भी किया। उन्होंने

कहा कि रोजगार सहायक को 9 हजार रूपये मासिक मानदेय के स्थान पर 18 हजार रूपये, सामान्य अवकाश सहित प्रसूति अवकाश, मातृत्व अवकाश के साथ ही पितृत्व अवकाश दिया जायेगा। पंचायत सचिव की नियुक्ति में 50 प्रतिशत स्थान रोजगार सहायकों के लिये सुरक्षित रहेंगे।

तत्काल मिली 2 लाख रूपये की आर्थिक सहायता

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अपने भ्रमण के दौरान श्रीमती जीरा बाई से संवाद किया। श्रीमती जीरा बाई ने बताया कि पिछले एक साल में उनके पति एवं 2 बच्चों का देहान्त हो चुका है। घर में अब कमाई का कोई जरिया नहीं है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने संवेदनशीलता दिखाते हुए श्रीमती जीरा बाई को तत्काल 2 लाख रूपये की आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिये। जिस पर रेडक्रॉस की ओर से 2 लाख रूपये की सहायता जीरा बाई को प्रदान कर दी गई।

पूर्व मंत्री जागीरदार के घर चोरी करने वाले पारदी गिरोह के चार बदमाश गिरफ्तार, बंदूक

उज्जैन । भाजपा नेता व प्रदेश के पूर्व शिक्षा राज्यमंत्री शिवनारायण जागीरदार के ग्राम हरनावदा स्थित घर में चोरी करने के आरोपित पारदी गिरोह के चार बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपित 10 मई की रात घर के पीछे हिस्से में बने किचन की खिड़की में लगी लोहे की ग्रिल निकालकर अंदर घुसे और कमरे में रखी अलमारी से 18 लाख रुपये नकद, चांदी के जेवरात तथा 12 बोर की बंदूक चुराकर ले गए थे। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से 5.73 लाख रुपये, बंदूक तथा चांदी के आभूषण बरामद कर लिए हैं। गुना, उज्जैन व देवास के आरोपितों ने रैकी करके वारदात को अंजाम दिया था। तीन आरोपित फरार हैं।

एएसपी आकाश भूरिया ने बताया कि भाजपा नेता व पूर्व राज्यमंत्री शिवनारायण जागीरदार का नरवर थाना क्षेत्र के ग्राम हरनावदा में एक मकान है। यहां उनका पुत्र दिनेश सपरिवार रहता है। 10 मई की रात चोरों ने घर के पीछे की ओर बने किचन की खिड़की में लगी लोहे की ग्रिल निकाली और घर में घुस गए। जागीरदार का परिवार आगे बने कमरे में सो रहा था। किचन के समीप ही बने कमरे में अलमारी का ताला तोड़कर चोरों ने 18 लाख रुपये नकद, सोने-चांदी के जेवरात तथा 12 बोर की बंदूक चोरी कर ली।

चोरों ने जिस कमरे में जागीरदार का परिवार सो रहा था, उसकी बाहर से कुंडी लगा दी थी। पुलिस ने मामले में सुनील पारदी निवासी देवास, गौतम निवासी पंवासा, साहिल निवासी पंवासा, सुरेंद्र निवासी गुना को गिरफ्तार किया है। चारों आरोपित पारदी गिरोह के बदमाश हैं तथा आपस में रिश्तेदार हैं। पुलिस को जेके पारदी निवासी पंवासा, सिद्धांत पारदी निवासी पंवासा तथा जानू पारदी निवासी गुना की तलाश है। आरोपितों को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया था, जहां से उन्हें तीन दिन के पुलिस रिमांड पर सौंपा गया है।

मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना में 24 राज्यों की कंपनियों ने दिखाया रुझान, 35 हजार से अधिक पदों पर होगी नियुक्ति

भोपाल । युवाओं को कौशल विकास के साथ ही लर्न एंड अर्न की तर्ज़ पर आन जाब प्रशिक्षण की सुविधा के लिए लागू की गई मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना में मध्य प्रदेश सहित 24 राज्यों की कंपनियों ने भी रुझान दिखाया है। इन कंपनियों ने योजना के पोर्टल में पंजीयन कराया है और प्रदेश के युवाओं को रोजगार देने के लिए आगे आई हैं।

अब तक लगभग 10 हजार 432 प्रतिष्ठानों को पंजीकृत किया जा चुका है। वर्तमान स्थिति मे प्रतिष्ठानों द्वारा लगभग 34 हज़ार 785 प्रशिक्षण की सीट आरक्षित रखी गई है। यह पद प्रतिदिन बढ़ते जा रहे हैं। मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना से प्रशिक्षण लेने वाले युवाओं को उद्योग उन्मुख नई तकनीक और प्रक्रियाओं में दक्षता लाने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा, जिससे उन्हें सहजता से रोजगार प्राप्त हो सकेगा।

यह योजना युवाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाएगी। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान आज मंगलवार दोपहर 12 बजे भोपाल के रवींद्र भवन में एमएमएसकेवाय पोर्टल का शुभारंभ करेंगे और युवाओं से संवाद भी करेंगे। योजना में इंजीनियरिंग, पालिटेक्निक, आइटीआइ और उच्च शिक्षा कालेज के विद्यार्थियों के साथ कक्षा 11वीं-12वीं के विद्यार्थियों को भी जोड़ा जाएगा।

कार्यक्रम का प्रत्येक जिला मुख्यालय पर प्रसारण हो। युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिलाते हुए स्टाइपेंड दिया जाएगा। प्रशिक्षण के बाद निर्धारित परीक्षा उत्तीर्ण करने पर अथवा फ़ार्मेटिव एसेसमेंट के बाद मध्य प्रदेश राज्य कौशल विकास एवं रोज़गार बोर्ड द्वारा स्टेट काउंसिल फार वोकेशनल ट्रेनिंग का प्रमाण-पत्र दिया जाएगा।

इंदौर में शुरू होगी दवाओं की जांच करने वाली देश की 8वीं सेंट्रल ड्रग टेस्टिंग लैब

दवाओं की जांच करने वाली देश की आठवीं सेंट्रल ड्रग टेस्टिंग लैबोरेटरी इंदौर में शुरू होने जा रही है। लैब के लिए करीब 20 करोड़ रुपए से अधिक की अत्याधुनिक मशीनें भी आ चुकी हैं। संचालन के लिए स्टाफ की नियुक्तियां जारी हैं। संभवत- सितंबर के पहले सप्ताह से लैब में दवाओं के सैम्पल की जांच शुरू हो जाएगी। प्रदेश में बड़ी-छोटी 200 से अधिक कंपनियां दवाओं का उत्पादन करती हैं।

अब तक सैम्पल मुंबई सेंट्रल लैब भेजे जाते हैं। इंदौर में लैब शुरू होने से दवाओं की क्वालिटी पर नजर रखने वाले सेंट्रल ड्रग स्टेंडर्ड कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन (सीडीएससीओ) के साथ ही, प्रदेश की दवा कंपनियों को भी फायदा होगा। उनके सैम्पल की जांच के बाद जल्द रिपोर्ट मिलेगी और वे अपना माल देश और विदेश में जल्द सप्लाय कर सकेंगे। जीपीओ चौराहे के पास सीडीएससीओ के दफ्तर में यह लैब शुरू होगी। दवाओं के सैम्पल जांचने वाली प्रदेश सरकार की एक लैब भोपाल में है, लेकिन ड्रग की जांच नहीं होती।

7 लैब पर 4 हजार दवा कंपनियों का लोड

केंद्र सरकार के हेल्थ एंड फैमिली वेल्फेयर डिपार्टमेंट की देश के सात शहरों में लैब हैं और आठवीं इंदौर में शुरू होने जा रही है। अभी कोलकाता, मुंबई, चेन्नई, गुवाहाटी, चंडीगढ़, कसौली और हैदराबाद में देश भर की करीब 4 हजार कंपनियों में बनी दवाओं के सैम्पल की जांच होती है। कोलकाता की लैबोरेटरी अपीलीय लैब है। इन लैब में जांच के अलावा रिसर्च और एनालिसिस का काम भी होता है।

इसलिए इंदौर में शुरू हो रही लैब

जानकारों का कहना है पिछले कुछ वर्ष में इंदौर सेंट्रल इंडिया का फार्मा हब बन गया है। प्रदेश की करीब 200 दवा कंपनियों में से 100 से अधिक इंदौर- पीथमपुर में हैं। प्रदेश के दवा निर्यात का 70 फीसदी हिस्सा इंदौर-पीथमपुर से है। हर साल 10 हजार करोड़ से अधिक की दवाएं इंदौर से एक्सपोर्ट होती हैं। लैब की अधिक उपयोगिता के चलते केंद्र सरकार इंदौर में लैब शुरू कर रही है।

अभी एक माह में आती है रिपोर्ट

मप्र स्माल स्केल ड्रग मेन्यूफेक्चरर्स एसोसिएशन के सचिव अजय

सिंह दासुंदी ने बताया, फिलहाल मप्र के अलावा छग और गुजरात की दवा कंपनियों से लिए गए सैम्पल को जांच के लिए मुंबई भेजना होता है। रिपोर्ट आने में एक-एक महीने तक का समय लग जाता है। इंदौर में लैब शुरू होने से प्रदेश की 200 से अधिक दवा कंपनियों के अलावा छग और गुजरात की कंपनियों को भी फायदा मिलेगा।

रजत पटेल बने इंदौर जिला NSUI अध्यक्ष

मप्र में आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों में जुटी कांग्रेस ने अपनी युवा टीम को मजबूत करने के लिए रविवार देर शाम को कांग्रेस के छात्र संगठन एनएसयूआई के जिला अध्यक्षों की नियुक्ति की लिस्ट जारी कर दी है। एनएसयूआई ने प्रदेश के 52 जिलों के अध्यक्षों की लिस्ट जारी की है। जिसमें इंदौर से रजत पटेल को जिला अध्यक्ष बनाया गया है तो वहीं भोपाल की कमान अक्षय तोमर को सौंपी गई है। एनएसयूआई के प्रदेश प्रभारी नीतिश गौर ने यह लिस्ट जारी की है। गौरतलब है कि एनएसयूआई ने 1 महीने पहले भी लिस्ट जारी की थी जिसे होल्ड कर दिया गया था। होल्ड के बाद दोबारा लिस्ट जारी की गई है।

तीर्थ दर्शन यात्रा राऊ विधानसभा में किसान पुत्र अभिषेक जाट के नेतृत्व में

इंदौर(अनिल चौधरी) राऊ विधानसभा के देवगुराडिया क्षेत्र में रहने वाले किसान पुत्र अभिषेक जाट लगातार क्षेत्र की जनता के लिए सेवा कार्य में जुटे हुए हैं और अब उन्होंने राऊ विधानसभा की जनता के लिए तीर्थ दर्शन यात्रा शुरू की है जिसमें अभी तक 25 सो से भी अधिक तीर्थ दर्शन यात्री तीर्थ दर्शन का लाभ ले चुके हैं. किसान का बेटा आपके द्वार, मेरा लक्ष्य है केवल जन सेवा करना, राजनीति उसका एक माध्यम है । यह स्लोगन राऊ विधानसभा की गली गली में पोस्टरों में लगे हैं। और हो भी क्यों ना क्योंकि किसान पुत्र अभिषेक जाट लगातार राऊ विधानसभा में सेवा कार्य में जुटे हुए हैं और अब श्रवण कुमार की तरह राऊ विधानसभा की जनता को तीर्थ दर्शन करवा रहे हैं। अभी तक 25 100 से भी अधिक तीर्थ दर्शन यात्रियों को यात्रा करा चुके हैं जिसमें बुजुर्ग लोगों के लिए अलग से विशेष व्यवस्था की जाती है ताकि उन्हें किसी भी तरह की कोई तकलीफ ना हो।आने वाले समय में मध्यप्रदेश में विधानसभा के चुनाव भी होने वाले हैं। और अभिषेक जाट जिस तरह सेवा कार्य में लगे हुए हैं उससे क्षेत्र की जनता का विश्वास उन पर बड़ा है। क्षेत्र में चाहे पानी की जरूरत हो, चाहे स्कूली बच्चों को शिक्षण सामग्री की जरूरत हो या फिर किसी भी तरह की कोई समस्या हो अभिषेक जाट तुरंत दौड़ पड़ते हैं उस समस्या के निदान के लिए। अगर राजनीति में भी ऐसे सेवा कार्य करने वाले किसान पुत्र आ जाए तो काफी बदलाव आ सकता है।

मालवा रत्नअवार्ड से सम्मानित हुए शरद जैन

इंदौर(अनिल चौधरी) राष्ट्रीय मासिक पत्रिका इंदौर धारा द्वारा पत्रकार शरद जैन को शॉल श्रीफल और प्रशस्ति पत्र देकर मालवा रत्न से सम्मानित किया गया। शरद जैन मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ इंदौर जिला इकाई के उपाध्यक्ष हैं। सम्मान समारोह के अवसर पर मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ इंदौर संभाग के अध्यक्ष धर्मेंद्र शुक्ला ,जिला अध्यक्ष लोकेंद्र सिंह थनवार, महासचिव विद्युत प्रकाश पाठक, उपाध्यक्ष प्रवीण जोशी, राजेंद्र सिंह, सरिता शर्मा, सचिव रश्मि किंगरानी, बीके उपाध्याय, कोषाअध्यक्ष रूपेंद्र सिंह चौहान, संयुक्त सचिव अनिल चौधरी, कार्यकारिणी सदस्य सुधीर वर्मा, तथा वरिष्ठ सदस्य अशोक शर्मा मौजूद थे।

बायपास से लगी कॉलोनियों के लिए नई सुविधा

10 से ज्यादा टॉउनशिप और 15 गांवों के लिए डबल बिजली लाइन; 15 हजार उपभोक्ताओं को फायदा

इन्दौर (अशोक सैनी)।मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बायपास, कनाडिया क्षेत्र की रुचि लाइफ, गोल्फ सिटी, केलीफोर्निया सिटी सहित 10 कॉलोनियों एवं कनाडिया, बुरानाखेड़ी समेत 15 गांव के करीब पांच हजार बिजली उपभोक्ताओं को उच्च क्षमता की दोहरी बिजली लाइन की सुविधा दी है। अब इस क्षेत्र के लिए 33 केवी की उच्च क्षमता की बिजली लाइन की दोहरी व्यवस्था रहेगी। इसके तहत अगर एक में कभी खराबी आएगी तो दूसरी से तत्काल बिजली सप्लाय शुरू कर दी जाएगी।

सोमवार को कनाडिया ग्रिड पर इस डबल सर्किट व्यवस्था का शुभारंभ जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने किया। उन्होंने इस सुविधा के लिए उपभोक्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि शासन नई बिजली सुविधाएं देने के लिए संकल्पित है। आगे भी सौगातें व सुविधाएं मिलती रहेगी। बिजली कंपनी इंदौर के सुपरवाइजिंग इंजीनियर (ग्रामीण) डॉ. डीएन शर्मा ने बताया कि एमडी अमित तोमर ने शहर सीमा से लगी कॉलोनियों एवं समीप के गांवों के लिए सुविधाएं बढ़ाने के आदेश दिए थे। इसी कड़ी में 50 लाख रु. की लागत से कनाडिया ग्रिड में डबल सर्किट का इंतजाम किया गया है। यहां एक लाइन बिचौली मर्दाना 132 से आएगी, वहीं दूसरी लाइन राऊखेड़ी 132 से पैंथर लाइन के माध्यम से कनाडिया तक जोड़ दी गई है। पैंथर लाइन की उच्च तकनीकी एवं बनावट ऐसी है, जिससे कम से कम व्यवधान एवं गुणवत्तायुक्त बिजली सप्लाय होती है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन.22 सेक्टर एफ सांवेर रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया ,इंदौर,म.प्र. एवं जी-1,कॉस्मिक रीजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर, म.प्र. से प्रकाशित - संपादक गोपाल गावन्डे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र इंदौर रहेगा)